

हयम या यज्ञायज्ञी मय इतिशिवल अउ

संख्या व तारीख
अवकाश जमी इस
हयम या यज्ञायज्ञी मय
जमी हा

पुरण खण्ड अउ
प्राथम 212 आर. टी. एकद

8.10.13 आज यह प्रा. पत्र आर. टी. एकद प्रा
वकील प्रार्थी ने अप्रार्थीगण के विरुद्ध प्रस्तुत कर अप्रार्थीगण
को जरिये अन्तरिम अस्थायी निषेधाज्ञा से पावन्द करने का
निवेदन किया गया कि आराजी विवादित हात ख. सं.
चाह 61 को ख. सं. 56 होने का मौका दियाकर ख. सं. 61 वाके
ग्राम नाथलवाडा तह. राजगढ मे कोई विधूत कनेक्शन जारी नहीं
करायें और ना प्रति. सं. 5, 6, 7 कोई कनेक्शन जारी करें और
प्रति. सं. 7 कोई राजस्व प्रमाण पत्र ख. सं. 56 मे कनेक्शन हेतु जारी
करें चूकि ख. सं. 56 मौके पर चाह नहीं है। साथ ही अप्रार्थीगण
चाह ख. सं. 61 वाके नाथलवाडा से ख. सं. 55, 46, 62, 63, 64, 107,
1082, 1086, 1236/1439, 1237/1442, 1238, 1239/1440 वाके
नाथलवाडा को चाह ख. सं. 61 से सिचित करने मे रुकावट को
मजाहमत न करें। साथ मे शपथ पत्र प्रस्तुत किया।

प्रा. पत्र प्रार्थी शपथ पत्र व प्रस्तुत दस्तावेज पर विश्वास
करते हुये अप्रार्थीगण को जरिये अन्तरिम अस्थायी निषेधाज्ञा से
दि. 8/11/13 तक पावन्द किया जाता है कि वो विवादित
आराजी चाह ख. सं. 61 को ख. सं. 56 होने का मौका दियाकर
ख. सं. 61 वाके नाथलवाडा मे कोई विधूत कनेक्शन जारी न करें
नहीं करायें। तथा अप्रार्थी सं. 5, 6, 7 कोई कनेक्शन जारी न करें
अप्रार्थी सं. 7 कोई राजस्व प्रमाण पत्र ख. सं. 56 मे कनेक्शन हेतु जारी
नहीं करें अप्रार्थीगण प्रार्थी को चाह ख. सं. 61 वाके नाथलवाडा तह. राजगढ
से उक्त वर्णित विवादित आराजी से सिचित करने मे रुकावट को मजाहमत
न करें। साथ मे नोटिस भी जारी हो कि इस सम्बन्ध मे उन्हें कोई
स्तराज हो तो दि. 8/11/13 को उपस्थित न्यायालय होकर पेश करें
दर्श हों।

उप-खण्ड अधिकारी, राजगढ
राजगढ जिला-अलवर

Handwritten signatures and notes at the bottom of the page.

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी, राजगढ़

हुक्म या कार्यवाही मय इतिशियरल्प जज

नाम व तारीख
आपताम नी हुम
हुकम की तारीख में
पारी हुए।

04/3/25

पेशीने अधिकारी अन्व कार्ड में
बहन है। पत्रावली दिनांक... 18/8/25
को पेश हो।

सिवर

19/8/25

पत्रावली पेश। नुकु. उप।
वास्ते जवाब दिनांक 16/9/25
की पेश हो।



16/9/25

पत्रावली पेश। नुकु. उप।
वास्ते जवाब दिनांक 8/10/25
की पेश हो।



08/10/25

पत्रावली पेश। भूलवाद अदम धजिरी
एवं अदम धरकी के तहत खारिज किया
जा चुका है। अतः प्रार्थना पत्र 212 RT
Act की कार्यवाही बैंक की जाती
है। पत्रावली नबट से कम हो कर
भूलवाद के साथ संलग्न हो।

